I.C.S.E

कक्षा : X

हिन्दी

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.
You will not be allowed to write during the first 15 minutes.
This time is to be spent in reading the question paper.
The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

---

This Paper comprises of two sections; **Section A** and **Section B.**
Attempt All the questions from **Section A.**
Attempt any four questions from **Section B**, answering at least one question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.
The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)
Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics: [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :

1. बीता समय फिर लौटता नहीं इस आधार पर समय के सदुपयोग पर अपने विचार प्रकट कीजिए।
2. वर्तमान युग में पर्वो का बदलता स्वरुप पर अपने विचार प्रकट कीजिए।
3. जीवन में मनोरंजन का महत्त्व पर प्रस्ताव लिखें।
4. एक मौलिक कहानी लिखिए, जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो : जान बची तो लाखों पायें।

5. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

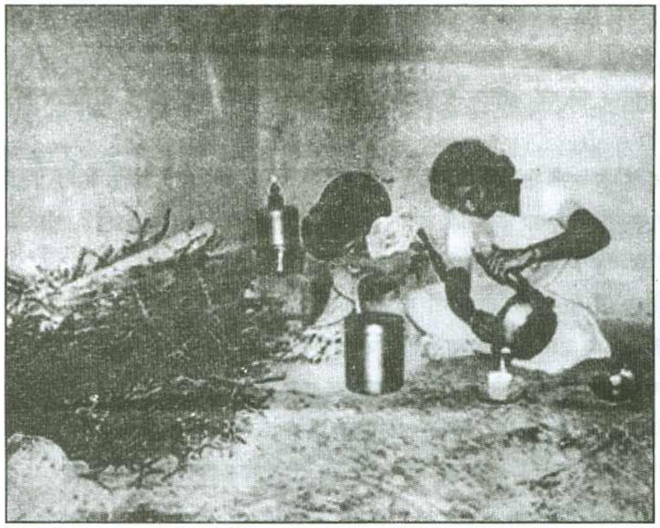

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below : [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

1. आपके क्षेत्र में सडकों पर बहुत अधिक पानी जमा हो जाता है, क्योंकि अधिकांश सड़कें टूटी हुई हैं। जगह-जगह 'स्पीड ब्रेकर' यातायात में सहायक न होकर बाधक बन गए हैं। परिस्थिति की पूर्ण जानकारी देते हुए नगर निगम के अधिकारी को शिकायती पत्र लिखिए।

2. मित्र के साथ मनाली जाते समय हुई दुर्घटना की सूचना देते हुए मित्र के पिताजी को पत्र लिखिए।

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible: [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :

महात्मा गांधी ने कोई 12 साल पहले कहा था - मैं बुराई करने वालों को सजा देने का उपाय ढूँढ़ने लगूँ तो मेरा काम होगा उनसे प्यार करना और धैर्य तथा नम्रता के साथ उन्हें समझाकर सही रास्ते पर ले आना। इसलिए असहयोग या सत्याग्रह घृणा का गीत नहीं है। असहयोग का मतलब बुराई करने वाले से नहीं, बल्कि बुराई से असहयोग करना है।

आपके असहयोग का उद्धेश्य बुराई को बढ़ावा देना नहीं है। अगर दुनिया बुराई को बढ़ावा देना बंद कर दे तो बुराई अपने लिए आवश्यक पोषण के अभाव में अपने-आप मर जाए। अगर हम यह देखने की कोशिश करें कि आज समाज में जो बुराई है, उसके लिए खुद हम कितने जिम्मेदार हैं तो हम देखेंगे कि समाज से बुराई कितनी जल्दी दूर हो जाती है। लेकिन हम प्रेम की एक झूठी भावना में पड़कर इसे सहन करते हैं। मैं उस प्रेम की बात नहीं करता, जिसे पिता अपने गलत रास्ते पर चल रहे पुत्र पर मोहांध होकर बरसाता चला जाता है, उसकी पीठ थपथपाता है; और न मैं उस पुत्र की बात कर रहा हूँ जो झूठी पितृ-भक्ति के कारण अपने पिता के दोषों को सहन करता है। मैं उस प्रेम की चर्चा नहीं कर रहा हूँ। मैं तो उस प्रेम की बात कर रहा हूँ, जो विवेक युक्त है और जो बुद्धियुक्त है और जो एक भी गलती की ओर से आँख बंद नहीं करता है। यह सुधारने वाला प्रेम है।

1. गांधीजी बुराई करने वालों को किस प्रकार सुधारना चाहते हैं? [2]
2. बुराई को कैसे समाप्त किया जा सकता है? [2]
3. 'प्रेम' के बारे में गांधीजी के विचार स्पष्ट कीजिए। [2]
4. असहयोग से क्या तात्पर्य है? [2]
5. उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए। [2]

Q.4 Answer the following according to the instructions given:

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

1. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए : [1]
   - धर्म
   - कुसुम

2. निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : [1]

- आकाश
- हवा

3. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए : [1]

- धनी
- गाँव

4. भाववाचक संज्ञा बनाइए : [1]

- बंधु
- इंसान

5. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए : [1]

राहत की साँस लेना, मन नहीं लगना

6. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए : [3]

1. मैंने भी जाना है। (वाक्य का शुद्ध रूप लिखो)
2. तकदीर गई उसकी फूट। (शब्दों को क्रम से लगाकर उचित वाक्य बनाइए।)
3. उनका जीवन सुरक्षित था। ('नहीं' प्रयोग कीजिए लेकिन वाक्य का अर्थ न बदले।)

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least one question from each of two books you have studied and any two other questions.

साहित्य सागर

गद्य

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

उस दिन बड़े सबेरे श्यामू की नींद खुली तो उसने देखा घर भर में कुहराम मचा हुआ है।

पाठ - काकी

लेखक - सियारामशरण गुप्त

1. बड़े सबेरे किसकी नींद किस कारणवश खुली? [2]
2. श्यामू ने उठने के बाद क्या देखा? [2]
3. श्यामू ने उपद्रव क्यों मचाया? [3]
4. श्यामू को सत्य का पता किस प्रकार चला? [3]

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

इलाहबाद का अनुभव रहित झल्लाया हुआ ग्रेजुएट इस बात को न समझ सका। उसे डिबेटिंग - क्लब में अपनी बात पर अड़ने की आदत थी, इन हथकंडों की उसे क्या खबर?

पाठ - बड़े घर की बेटी

लेखक - प्रेमचंद

1. यहाँ पर इलाहबाद का अनुभव रहित झल्लाया हुआ ग्रेजुएट किसे संबोधित किया जा रहा है और वह क्या नहीं समझ पा रहा था? [2]
2. बेनी माधव सिंह ने अपने बेटे का क्रोध शांत करने के लिए क्या किया? [2]
3. गाँव के लोग बेनी माधव सिंह के घर आकर क्यों बैठ गए थे? [3]
4. उपर्युक्त कथन का संदर्भ स्पष्ट करें। [3]

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

कागज़ पर इन निर्जीव चित्रों को बनाने के बजाय दो-चार की जिंदगी क्यों नहीं बना देती! तेरे पास सामर्थ्य है, साधन हैं!"

पाठ - दो कलाकार

लेखक - मन्नू भंडारी

1. उपर्युक्त कथन का संदर्भ स्पष्ट करें। [2]
2. उपर्युक्त कथन का तात्पर्य स्पष्ट करें। [2]
3. अरुणा ने आवेश में आकर यह क्यों कहा कि किस काम की ऐसी कला जो आदमी को आदमी न रहने दें। [3]
4. अरुणा उपर्युक्त कथन द्वारा चित्रा को क्या कहना चाहती है? [3]

साहित्य सागर

पद्य

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

गहरि नदी, नाली जहाँ, तहाँ बचावै अंग।।
तहाँ बचावै अंग, झपटि कुत्ता कहँ मारे।
दुश्मन दावागीर होय, तिनहूँ को झारै।।
कह गिरिधर कविराय, सुनो हे दूर के बाठी।

सब हथियार छाँडि, हाथ महँ लीजै लाठी।।
कमरी थोरे दाम की, बहुतै आवै काम।
खासा मलमल वाफ्ता, उनकर राखै मान॥
उनकर राखै मान, बँद जहँ आड़े आवै।
बकुचा बाँधे मोट, राति को झारि बिछावै॥
कह 'गिरिधर कविराय', मिलत है थोरे दमरी।
सब दिन राखै साथ, बड़ी मर्यादा कमरी॥

कविता - गिरिधर की कुंडलियाँ
कवि - गिरिघर कविराय

1. शब्दार्थ लिखिए - कमरी, बकुचा, मोट, दमरी [2]
2. 'बकुचा बाँधे मोट, राति को झारि बिछावै' - पंक्ति का भावार्थ स्पष्ट कीजिए। [2]
3. कमरी की किन-किन विशेषताओं का उल्लेख किया गया है? [3]
4. लाठी से क्या-क्या लाभ होते हैं? [3]

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।
आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली
दरवाजे-खिड़कियाँ खुलने लगी गली-गली
पाहुन ज्यों आये हों गाँव में शहर के।
पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाये
आँधी चली, धूल भागी घाघरा उठाये
बाँकी चितवन उठा नदी, ठिठकी, घूँघट सरकाए।

कविता - मेघ आए
कवि - सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

1. शब्दार्थ लिखिए : [2]

- बन ठन के
- बाँकी
- तिरछी
- पाहुन

2. 'बाँकी चितवन उठा, नदी ठिठकी, घूँघट सरकाए।' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। [2]
3. मेघों के लिए 'बन-ठन के, सँवर के' आने की बात क्यों कही गई है? [3]
4. मेघ रूपी मेहमान के आने से वातावरण में क्या परिवर्तन हुए? [3]

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

वह जन्मभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी।
ऊँचा खड़ा हिमालय आकाश चूमता है,
नीचे चरण तले झुक, नित सिंधु झूमता है।
गंगा यमुना त्रिवेणी नदियाँ लहर रही हैं,
जगमग छटा निराली पग-पग छहर रही है।
वह पुण्य भूमि मेरी, वह स्वर्ण भूमि मेरी।

कविता - वह जन्मभूमि मेरी
कवि - सोहनलाल द्विवेदी

1. कवि किस भूमि की बात कर रहा है? [2]
2. त्रिवेणी नदियों के नाम लिखिए। [2]
3. कवि ने हिमालय के बारे में क्या कहा है? [3]
4. शब्दार्थ लिखिए : [3]

- मातृभूमि
- सिंधु
- नित
- पुण्य भूमि

- आकाश
- छटा

एकांकी संचय

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

अपराध और किसका है। सब मुझी को दोष देते हैं। मिसरानी कह रही थी बहू किसी की भी हो, पर अपने प्राण देकर उसने पति को बचा लिया।

एकांकी - संस्कार भावना

लेखक - विष्णु प्रभाकर

1. यहाँ पर किसके कौन-से अपराध की बात हो रही है? [2]
2. बहू किसकी, कौन और किस जाति की थी? बहू ने किसे और किस बीमारी से प्राण देकर बचा लिया? [2]
3. माँ ने अविनाश की बहू को क्यों नहीं अपनाया? समझाकर लिखिए। [3]
4. एकांकी का सारांश लिखिए। [3]

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

उनके पौरुष की परीक्षा का दिन आ पहुँचा है। महारावल बाप्पा का वंशज मैं लाखा प्रतिज्ञा करता हूँ कि जब तक बूँदी के दुर्ग में ससैन्य प्रवेश नहीं करूँगा, अन्न जल ग्रहण नहीं करूँगा।

एकांकी - मातृभूमि का मान

लेखक - हरिकृष्ण 'प्रेमी'

1. किसका वंशज क्या प्रतिज्ञा करता है? [2]
2. किसके पौरुष की परीक्षा का दिन आ गया? [2]
3. महाराणा लाखा ने प्रतिज्ञा क्यों ली? [3]

4. महाराणा लाखा जनसभा में क्यों नहीं जाना चाहते? [3]

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

अब शराफत और इन्सानियत की दुहाई देते हो। कुछ देर पहले तो ...

एकांकी - बहू की विदा

लेखक - विनोद रस्तोगी

1. इस कथन की वक्ता का चरित्र चित्रण कीजिए। [2]
2. शराफत और इन्सानियत की दुहाई कौन दे रहा है? क्यों? [2]
3. वक्ता ने श्रोता की किस बात के लिए आलोचना की? [3]
4. वक्ता ने श्रोता की आँखे किस प्रकार खोली? [3]

नया रास्ता

(सुषमा अग्रवाल)

Q.14 **Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:**

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

वह समझ नहीं पा रही थी कि हमारे समाज में स्त्री पुरुष में इतना भेद क्यों? यदि कोई लड़का अकेला रहता है तो समाज उस पर अंगुलियाँ नहीं उठाता, चाहे वह कितना ही अपराध क्यों न करता हो परंतु एक लड़की, चाहे वह कितना ही संयम शील जीवन क्यों न व्यतीत करती हो, फिर भी समाज उस पर दोषारोपण करता है।

1. किसकी बातें सुनकर वक्ता इतनी परेशान है? [2]
2. समाज में स्त्री पुरुष में इतना भेद क्यों है? [2]
3. लड़की के जीवन में इतनी कठिनाईयाँ क्यों आती है? [3]

4. इन पक्तियों के भाव स्पष्ट कीजिए? [3]

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

पत्र लिखने के बाद पिताजी को लगा की शायद उनसे कोई घोर अपराध हो गया है, उनकी मन:स्थिति विकल हो गई।

1. घर लौटने पर मायाराम का इंतजार कौन कर रहा था? वे मायाराम के पास क्यों आए थे? [2]
2. व्यवहार के बारे में माँ की क्या राय थी? [2]
3. मीनू का रिश्ता ठुकराने के लिए क्या योजना बनाई गई? [3]
4. किसकी मन:स्थिति विकल और क्यों हो गई? [3]

Q.16. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

मीनू के मुख से अपनी प्रशंसा सुनकर नीलिमा दिल-दिल-में प्रसन्न हो उठी। परंतु उसे मीनू के दिल में छिपी पीड़ा का आभास था।

1. प्रस्तुत अवतरण में नीलिमा और मीनू कौन हैं उनका परिचय दें। [2]
2. मीनू प्रसन्न क्यों थी? [2]
3. कुछ सोचकर मीनू उदास क्यों हो गई? [3]
4. किसे किसकी पीड़ा का अहसास था? [3]

Solution

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.
You will not be allowed to write during the first 15 minutes.
This time is to be spent in reading the question paper.
The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

---

This Paper comprises of two sections; **Section A** and **Section B.**
Attempt All the questions from **Section A.**
Attempt any four questions from **Section B**, answering at least one question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.
The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)
Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics: [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :

1. बीता समय फिर लौटता नहीं इस आधार पर समय के सदुपयोग पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

   समय निरंतर प्रवाहित जलधारा के समान है जो आगे ही बढ़ता है बिना किसी की प्रतीक्षा या विश्राम के। जो व्यक्ति समय के साथ आगे बढ़ सकता है, वही जीवन में सफल होता है।

   समय का सदुपयोग ही व्यक्ति को विकास के मार्ग पर अग्रसर करता है। समय के महत्त्व को समझने वाला जीने की कला सीख लेता है। किसी ने

समय की तुलना धन से की है। वास्तव में समय, धन से भी कही अधिक मूल्यवान है। धन तो आता-जाता रहता है, किंतु गया हुआ समय कभी लौटकर नहीं आता। जो समय की कद्र करता है, समय उसकी कद्र करता है। इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण है कि सही समय पर सही निर्णय लेने वाले व्यक्ति ही जीवन में सफल हुए हैं। इसलिए मनुष्य अपने समय का विभाजन इस प्रकार करे कि उसके पास अध्ययन, व्यायाम, मनन, चिंतन आदि सभी कार्यों के लिए समय हो। समय विभाजन कर उसका सदुपयोग करना सीख लें तो भविष्य सुविधाजनक और सुखमय हो जाता है।

2. वर्तमान युग में पर्वो का बदलता स्वरुप पर अपने विचार प्रकट कीजिए।
हमारा देश पर्वों का देश है। त्यौहार ऊर्जा का संचार करते हैं, उदास मनों में आशा जागृत करते हैं, अकेलेपन को दूर करते हैं। आज बदलते युग के साथ त्यौहार का स्वरूप भी बदल रहा है। पहले एक महीने पहले ही त्यौहार की तैयारियाँ शुरू कर दी जाती थी। आज लोगों के पास समय नहीं है, त्यौहार के दिन मुश्किल से समय निकालते है। पहले लोग एक-दूसरे के घर जाते और मिल-जुलकर पर्वों का आनंद उठाते थे। परन्तु समय बदलने के साथ ही पर्वों के स्वरूप में भी भारी अंतर आया है। आज सब मोबाईल पर बधाइयाँ देकर ही पर्व मना लेते है।
पहले घर पर मिठाइयाँ, तरह तरह के व्यंजन बनाए जाते थे आज बाजार से ही मँगवा लिए जाते है। आज कल सभी पर्व जैसे ऊपरी तौर पर मनाये जाते है लोगों में कोई उत्साह देखने नहीं मिलता।

3. जीवन में मनोरंजन का महत्त्व पर प्रस्ताव लिखें।
हर मनुष्य को मनोरंजन प्रिय होता है। मनोरंजन का इतिहास बहुत पुराना है। उसका संबंध मनुष्य की सभ्यता के साथ जुड़ा हुआ है। मनोरंजन के साधन कहीं न कहीं सामाजिक व्यवस्थाओं से प्रभावित था। मध्यकाल में विविध अवसरों पर आयोजित होने वाले मेलों का खास महत्त्व होता था। आज के आधुनिक युग में मनोरंजन के अनेक साधन विकसित हुए हैं। जैसे-जैसे वह सभ्य होता गया, वैसे-वैसे मनोरंजन के नये-नये साधनों की

खोज होती गई। जैसे टेलिविज़न, चलचित्र, रेडियो, नाटक, नौटंकी, संगीत, नृत्य, डिस्को, हास्य रस गोष्ठी, कवि सम्मेलन, जादू, सर्कस, मेला, खेल से मनोरंजन आदि। ऐसे में संगीत, नृत्य आदि मनोरंजन के सबसे अच्छे साधन है।

दिनभर कार्य करने से शारीरिक थकान के साथ-साथ मानसिक थकान भी हो जाती है। इसके अलावा लगातार कार्य करने से आदमी कार्य से उकता जाता है। थकावट व उकताने से निजात पाने के लिए मनोरंजन के साधन होना जरूरी हैं। मनोरंजन मनुष्य को स्फूर्ति और ऊर्जा देते हैं। जीवन में ताजगी भरता है। विचारों तथा सोच को सकारात्मक पक्ष देता है। रूचि के अनुसार लोग मनोरंजन के साधनों का उपयोग करते हैं। शहर को जो साधन प्राप्त हैं, वे गाँव वालों को नहीं।

मनोरंजन के बिना मनुष्य का जीवन नीरस और रंगहीन हो जाएगा। मनोरंजन कुछ समय के लिए ही ठीक है, अगर आप इसके ज्यादा आदि हो गए तो समय भी व्यर्थ हो सकता है।

4. एक मौलिक कहानी लिखिए, जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो :
   जान बची तो लाखों पायें।

   मनुष्य अपने जीवन में बहुत सी बातें अनुभव से सीखता है। जीवन में कई बार ऐसी घटना घटित हो जाती है कि जान पर संकट महसूस होने लगता है। और बहुत प्रयत्न करने पर मुसीबत से पीछा छूटता है। तब उसे लगता है कि जान बची तो लाखों पाए।

   एक बार मेरे पड़ोसी बाहर गए थे और उनका बेटा रोहन अकेला घर पर था। तभी मौके का फ़ायदा उठाकर दो चोर घर में घूस गए। रोहन ने यह देखा तो वह उनकी नज़र बचाकर बाहर भाग गया। और दरवाजा बाहर से बंद कर दिया। और हल्ला मचा कर पड़ोसियों को इकट्ठा कर लिया।

   बाहर भीड़ खड़ी देख चोरों के होश उड़ गए और उन्होंने दरवाजे से सोफा सटा कर दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। लेकिन भीड़ बढ़ती गई।

   जान बचाने के लिए चोरों को एक ही उपाय सूझा। उनमें से एक ने अपने मोबाइल से पुलिस कंट्रोल रूम को फोन किया और गिरफ्तार हो गया।

तब चोरों ने सोचा “जान बची तो लाखों पाए।”

5. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

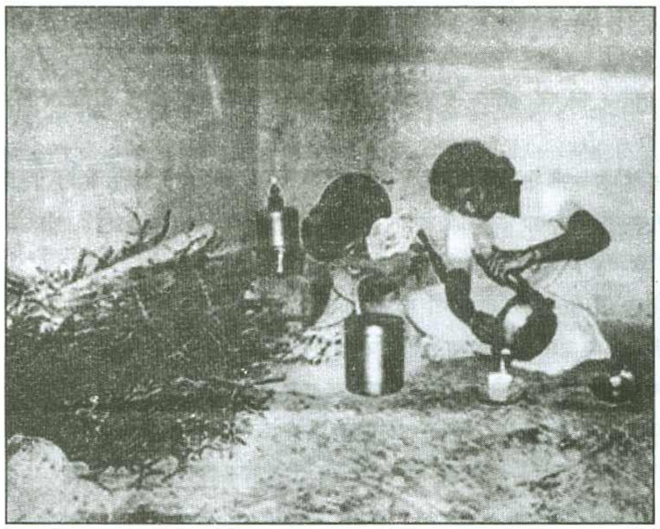

प्रस्तुत चित्र में हम देख रहे हैं कि एक निर्धन स्त्री फ़र्श पर बैठी चाय बनाने के लिए प्याले में दूध छान रही है। उसके पास में एक डिब्बा रखा हुआ है। अस्त-व्यस्त सी झोपड़ी है। रात्रि का समय है और मद्धिम सा प्रकाश है। आज के जमाने में भी पुराना-सा चूल्हा है और ईंधन के लिए सूखे गन्ने के छिलकों का ढेर है।

प्रस्तुत चित्र भारत के विभिन्न वर्ग की असमानता पर सोचने पर विवश करता है। खास कर गरीब जो इस स्त्री की तरह गरीबी रेखा के नीचे जीते है। आजादी के समय हमारे देश की कुल आबादी 32 करोड़ थी और इसमें से 20 करोड़ लोग गरीब थे। आजादी के बाद तमाम आर्थिक विकास और गरीबी निवारण योजनाओं के बावजूद गरीबों की संख्या कम नहीं हुई, बल्कि यह बढ़कर आज 40 करोड़ पहुँच गई है।

भारत में बहुत से लोग गरीब है, जिन्हें दो वक्त की रोटी भी नसीब नहीं होती। मजदूर, जो सबकी सुविधा के लिए कड़ी धूप में परिश्रम करते है, उन्हें रहने को घर भी नहीं मिलता।

भारत को एक खुशहाल देश बनाने के लिए देश के आर्थिक स्तर को सुधारने का प्रयास करना चाहिए। बेरोज़गारी को मिटा कर सबको उचित काम व वेतन मिलना चाहिए।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below : [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

1. आपके क्षेत्र में सडकों पर बहुत अधिक पानी जमा हो जाता है, क्योंकि अधिकांश सड़कें टूटी हुई हैं। जगह-जगह 'स्पीड ब्रेकर' यातायात में सहायक न होकर बाधक बन गए हैं। परिस्थिति की पूर्ण जानकारी देते हुए नगर निगम के अधिकारी को शिकायती पत्र लिखिए।

28, नटेशन स्ट्रीट
विजय नगर
नई दिल्ली
दिनाँक : 15 अप्रैल, 20

सेवा में
मुख्य अधिकारी
नगर निगम
नई दिल्ली

विषय - अपने क्षेत्र की सड़कों की दुर्व्यवस्था

महोदय
सविनय निवेदन है कि मैं विजय नगर का निवासी हूँ। हमारे क्षेत्र में अधिकांश सड़कें टूटी हुई हैं। सड़कों पर गड्ढे हो गए हैं, जिसमें पानी भर

जाने की वजह से मच्छर बढ़ की समस्या का भी सामना करना पड़ता है। सड़क दुर्घटना भी बढ़ने लगी है।

आशा है कि आप इस समस्या पर गौर करेंगे और शीघ्र ही आवश्यक कार्यवाही करेंगे।

धन्यवाद

भवदीय

किशोर सान्याल

2. मित्र के साथ मनाली जाते समय हुई दुर्घटना की सूचना देते हुए मित्र के पिताजी को पत्र लिखिए।

सीतादेवी छात्रावास

रामबाड़ा

लखनऊ

दिनाँक - 28 नवंबर 20xx

आदरणीय चाचाजी,

सादर प्रणाम।

आप मेरा पत्र देखकर आश्चर्यचकित हो गए होंगें। स्वाभाविक है, क्योंकि इसके पूर्व मैंने आपको कभी पत्र नहीं लिखा है। यह पत्र मैंने आपको एक ज़रूरी सूचना देने के लिए लिखा है। जैसे कि आपको पता ही है कि हम छात्रावास की तरफ से मनाली गए थे। इस मनाली यात्रा के दौरान रोहन के साथ छोटी-सी दुर्घटना घट गई है। चिंतित होने कि कोई आवश्यकता नहीं है। अध्यापकों की कार्य कुशलता के कारण बड़ी दुर्घटना होने से टल गई। आपको बताना ज़रूरी था इसलिए सूचित करने हेतु यह पत्र लिख रहा हूँ। पुन:निवेदन है कि चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। रोहन कुशल और प्रसन्नचित्त है। माताजी को मेरा वंदन।

आपका पुत्रवत

राकेश मेहरा

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible: [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :

महात्मा गांधी ने कोई 12 साल पहले कहा था - मैं बुराई करने वालों को सजा देने का उपाय ढूँढ़ने लगूँ तो मेरा काम होगा उनसे प्यार करना और धैर्य तथा नम्रता के साथ उन्हें समझाकर सही रास्ते पर ले आना। इसलिए असहयोग या सत्याग्रह घृणा का गीत नहीं है। असहयोग का मतलब बुराई करने वाले से नहीं, बल्कि बुराई से असहयोग करना है।

आपके असहयोग का उद्धेश्य बुराई को बढ़ावा देना नहीं है। अगर दुनिया बुराई को बढ़ावा देना बंद कर दे तो बुराई अपने लिए आवश्यक पोषण के अभाव में अपने-आप मर जाए। अगर हम यह देखने की कोशिश करें कि आज समाज में जो बुराई है, उसके लिए खुद हम कितने जिम्मेदार हैं तो हम देखेंगे कि समाज से बुराई कितनी जल्दी दूर हो जाती है। लेकिन हम प्रेम की एक झूठी भावना में पड़कर इसे सहन करते हैं। मैं उस प्रेम की बात नहीं करता, जिसे पिता अपने गलत रास्ते पर चल रहे पुत्र पर मोहांध होकर बरसाता चला जाता है, उसकी पीठ थपथपाता है; और न मैं उस पुत्र की बात कर रहा हूँ जो झूठी पितृ-भक्ति के कारण अपने पिता के दोषों को सहन करता है। मैं उस प्रेम की चर्चा नहीं कर रहा हूँ। मैं तो उस प्रेम की बात कर रहा हूँ, जो विवेक युक्त है और जो बुद्धियुक्त है और जो एक भी गलती की ओर से आँख बंद नहीं करता है। यह सुधारने वाला प्रेम है।

1. गांधीजी बुराई करने वालों को किस प्रकार सुधारना चाहते हैं? [2]

   उत्तर : गांधीजी बुराई करने वालों को प्रेम, धैर्य तथा नम्रता के साथ समझाकर सुधारना चाहते हैं।

2. बुराई को कैसे समाप्त किया जा सकता है? [2]

   उत्तर : यदि हम बुराई को बढ़ावा देना बंद कर देंगे तो बुराई स्वयं समाप्त हो जाएगी।

3. 'प्रेम' के बारे में गांधीजी के विचार स्पष्ट कीजिए। [2]

उत्तर : गांधीजी के अनुसार प्रेम का अर्थ मोह में अंधा होकर अपने प्रिय की गलतियों का समर्थन करना या बढ़ावा देना नहीं है। बल्कि उनके अनुसार उन गलतियों को सुधारना ही सही अर्थों में प्रेम की परिभाषा है।

4. असहयोग से क्या तात्पर्य है? [2]

उत्तर : असहयोग का मतलब बुरा करने वाले से नहीं, बल्कि बुराई से असहयोग करना है। अर्थात् बुराई का त्याग करना ही असहयोग है।

5. उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए। [2]

उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक 'प्रेम और अहिंसा का अर्थ' है।

Q.4 Answer the following according to the instructions given:

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

1. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए : [1]
   - धर्म - धार्मिक
   - कुसुम - कुसुमित
   -
2. निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : [1]
   - आकाश - व्योम, शून्य, गगन, अम्बर, आसमान
   - हवा - पवन, वायु, समीर, अनिल

3. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए : [1]
   - धनी - निर्धन
   - गाँव - शहर

4. भाववाचक संज्ञा बनाइए : [1]

- बंधु - बंधुत्व
- इंसान - इंसानियत

5. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए : [1]

राहत की साँस लेना, मन नहीं लगना

- सालभर की आय पर ईमानदारी से आयकर भरकर रमेश ने राहत की साँस ली।
- विद्यार्थी ने किताब खोली, पर पढ़ने में उसका मन नहीं लग रहा था।

6. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए : [3]

1. मैंने भी जाना है। (वाक्य का शुद्ध रूप लिखो)
   उत्तर : मुझे भी जाना है।

2. तकदीर गई उसकी फूट। (शब्दों को क्रम से लगाकर उचित वाक्य बनाइए।)
   उत्तर : उसकी तकदीर फूट गई।

3. उनका जीवन सुरक्षित था। ('नहीं' प्रयोग कीजिए लेकिन वाक्य का अर्थ न बदले।)
   उत्तर : उनका जीवन असुरक्षित नहीं था।

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least one question from each of two books you have studied and any two other questions.

साहित्य सागर

गद्य

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

उस दिन बड़े सबेरे श्यामू की नींद खुली तो उसने देखा घर भर में कुहराम मचा हुआ है।

पाठ - काकी

लेखक - सियारामशरण गुप्त

1. बड़े सबेरे किसकी नींद किस कारणवश खुली? [2]

उत्तर : बड़े सबेरे श्यामू की नींद घर में मचे कोहराम के कारण खुली।

2. श्यामू ने उठने के बाद क्या देखा? [2]

उत्तर : उस दिन बड़े सबेरे श्यामू की नींद खुली तो उसने देखा कि उसके घर में कुहराम मचा हुआ है उसकी माँ ऊपर से नीचे तक एक कपड़ा ओढ़े हुए कंबल पर भूमि शयन कर रही है और घर के सब लोग उसे, घेरकर बैठे बड़े करुण ढंग से विलाप कर रहे हैं।

3. श्यामू ने उपद्रव क्यों मचाया? [3]

उत्तर : उस दिन बड़े सबेरे श्यामू की नींद खुली तो उसने देखा कि उसके घर में कुहराम मचा हुआ है। उसकी माँ ऊपर से नीचे तक एक कपड़ा ओढ़े हुए कंबल पर भूमि शयन कर रही है और घर के सब लोग उसे, घेरकर बैठे बड़े करुण ढंग से विलाप कर रहे हैं। उसके बाद जब उसकी माँ की श्मशान ले जाने के लिए ले जाने लगे तो श्यामू ने अपनी माँ को रोकने के लिए बड़ा उपद्रव मचाया।

4. श्यामू को सत्य का पता किस प्रकार चला? [3]

उत्तर : श्यामू अबोध बालक होने के कारण बड़े बुद्धिमान गुरुजनों ने उससे उसकी माँ की मृत्यु की बात यह कहकर छिपाई कि उसकी माँ मामा के यहाँ गई है परंतु जैसा कि कहा जाता है असत्य के आवरण में सत्य बहुत समय तक छिपा नहीं रह सकता ठीक उसी

प्रकार श्यामू जब अपने हम उम्र दोस्तों के साथ खेलने जाता तो उनके मुख से यह बात उजागर हो गई कि उसकी माँ राम के यहाँ गई है और इस तरह श्यामू को पता चल ही गया कि उसकी माँ की मृत्यु हो गई है।

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

इलाहबाद का अनुभव रहित झल्लाया हुआ ग्रेजुएट इस बात को न समझ सका। उसे डिबेटिंग - क्लब में अपनी बात पर अड़ने की आदत थी, इन हथकंडों की उसे क्या खबर?

पाठ - बड़े घर की बेटी

लेखक - प्रेमचंद

1. यहाँ पर इलाहबाद का अनुभव रहित झल्लाया हुआ ग्रेजुएट किसे संबोधित किया जा रहा है और वह क्या नहीं समझ पा रहा था? [2]

   उत्तर : यहाँ पर बेनी माधव सिंह के के बड़े पुत्र श्रीकंठ को अनुभव रहित झल्लाया हुआ ग्रेजुएट संबोधित किया जा रहा है।

   श्रीकंठ अपनी पत्नी की शिकायत पर अपने पिता के सामने घर से अलग हो जाने का प्रस्ताव रखता है। जिस समय वह ये बातें करता है वहाँ पर गाँव के अन्य लोग भी उपस्थित होते हैं। बेनी माधव अनुभवी होने के कारण घर के मामलों को घर में ही सुलझाना चाहते थे और यही बात श्रीकंठ को समझ नहीं आ रही थी। पिता के समझाने पर भी वह लोगों के सामने घर से अलग होने की बात दोहरा रहा था।

2. बेनी माधव सिंह ने अपने बेटे का क्रोध शांत करने के लिए क्या किया? [2]

उत्तर : अनुभवी बेनी माधव सिंह ने अपने बेटे का क्रोध शांत करने के लिए कहा कि वे उसकी बातों से सहमत है श्रीकंठ जो चाहे कर सकते हैं क्योंकि उनके छोटे बेटे से अपराध तो हो ही गया है साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि बुद्धिमान लोग मूर्खों की बात पर ध्यान नहीं देते। लालबिहारी बेसमझ लड़का है उससे जो भी भूल हुई है उसे श्रीकंठ बड़ा होने के नाते माफ़ कर दे।

3. गाँव के लोग बेनी माधव सिंह के घर आकर क्यों बैठ गए थे? [3]

उत्तर : गाँव में कुछ कुटिल मनुष्य ऐसे भी थे जो बेनी माधव सिंह के संयुक्त परिवार और परिवार की नीतिपूर्ण गति से जलते थे उन्हें जब पता चला कि अपनी पत्नी की खातिर श्रीकंठ अपने पिता से लड़ने चला है तो कोई हुक्का पीने, कोई लगान की रसीद दिखाने के बहाने बेनी माधव सिंह के घर जमा होने लगे।

4. उपर्युक्त कथन का संदर्भ स्पष्ट करें। [3]

उत्तर : श्रीकंठ क्रोधित होने के कारण अपने पिता से सबके सामने लड़ पड़ते हैं। पिता नहीं चाहते थे कि घर की बात बाहर वालों को पता चले परंतु श्रीकंठ अनुभवी पिता की बातें नहीं समझ पाता और लोगों के सामने ही पिता से बहस करने लगता है। उपर्युक्त कथन श्रीकंठ की इसी नासमझी को बताने के लिया कहा गया है।

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

कागज़ पर इन निर्जीव चित्रों को बनाने के बजाय दो-चार की जिंदगी क्यों नहीं बना देती! तेरे पास सामर्थ्य है, साधन हैं!"

पाठ - दो कलाकार

लेखक - मन्नू भंडारी

1. उपर्युक्त कथन का संदर्भ स्पष्ट करें। [2]

उत्तर : चित्रा चाय पर अरुणा का इंतजार कर रही होती है। इतने में अरुणा का आगमन होता है और चित्रा उसे बताती है कि उसके पिता का पत्र आया है जिसमें आगे की पढ़ाई के लिए उसे विदेश जाने की अनुमति मिल गई है। उस समय आपसी बातचीत के दौरान अरुणा चित्रा से उपर्युक्त कथन कहती है।

2. उपर्युक्त कथन का तात्पर्य स्पष्ट करें। [2]

उत्तर : उपर्युक्त कथन से अरुणा का तात्पर्य चित्रा के असंवेदनशील होने से है। चित्रा चित्रकार होने के नाते केवल अपने चित्रों के बारे में ही सोचती रहती है। दुनिया में बड़ी-से-बड़ी घटना क्यों न घट जाय यदि चित्रा को उसमें चित्रकारी के लिए मॉडल नहीं मिलता तो उसके लिए वह घटना बेमानी होती है।

3. अरुणा ने आवेश में आकर यह क्यों कहा कि किस काम की ऐसी कला जो आदमी को आदमी न रहने दें। [3]

उत्तर : चित्रा दुनिया से कोई मतलब नहीं रखती थी। वह बस चौबीसों घंटे अपने रंग और तूलिकाओं में डूबी रहती थी। दुनिया में कितनी भी बड़ी घटना घट जाए, पर यदि उसमें चित्रा के चित्र के लिए कोई आइडिया नहीं तो वह उसके लिए कोई महत्त्व नहीं रखती थी। वह हर जगह, हर चीज में अपने चित्रों के लिए मॉडल ढूंढा करती थी। इसलिए अरुणा ने आवेश में आकर यह कहा कि किस काम की ऐसी कला जो आदमी को आदमी न रहने दें।

4. अरुणा उपर्युक्त कथन द्वारा चित्रा को क्या कहना चाहती है? [3]

उत्तर : अरुणा उपर्युक्त कथन द्वारा चित्रा को कहना चाहती है कि वह अमीर पिता की बेटी है उसके पास साधनों और पैसे की कोई

कमी नहीं है अत: वह उन साधनों से किसी की जिंदगी सँवार सकती है।

साहित्य सागर

पद्य

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

गहरि नदी, नाली जहाँ, तहाँ बचावै अंग।।
तहाँ बचावै अंग, झपटि कुत्ता कहँ मारे।
दुश्मन दावागीर होय, तिनहूँ को झारै।।
कह गिरिधर कविराय, सुनो हे दूर के बाठी।
सब हथियार छाँडि, हाथ महँ लीजै लाठी।।
कमरी थोरे दाम की, बहुतै आवै काम।
खासा मलमल वाफ्ता, उनकर राखै मान॥
उनकर राखै मान, बँद जहँ आड़े आवै।
बकुचा बाँधे मोट, राति को झारि बिछावै॥
कह 'गिरिधर कविराय', मिलत है थोरे दमरी।
सब दिन राखै साथ, बड़ी मर्यादा कमरी॥

कविता - गिरिधर की कुंडलियाँ
कवि - गिरिघर कविराय

1. शब्दार्थ लिखिए - कमरी, बकुचा, मोट, दमरी [2]
   - कमरी - काला कंबल
   - बकुचा - छोटी गठरी
   - मोट - गठरी
   - दमरी - दाम, मूल्य

2. 'बकुचा बाँधे मोट, राति को झारि बिछावै' - पंक्ति का भावार्थ स्पष्ट कीजिए। [2]

उत्तर : इस पंक्ति का भाव यह है कि कंबल को बाँधकर उसकी छोटी-सी गठरी बनाकर अपने पास रख सकते हैं और ज़रूरत पड़ने पर रात में उसे बिछाकर सो सकते हैं।

3. कमरी की किन-किन विशेषताओं का उल्लेख किया गया है? [3]

उत्तर : कंबल (कमरी) बहुत ही सस्ते दामों में मिलता है। यह हमारे ओढ़ने तथा बिछाने के काम आता है। कंबल को बाँधकर उसकी छोटी-सी गठरी बनाकर अपने पास रख सकते हैं और ज़रूरत पड़ने पर रात में उसे बिछाकर सो सकते हैं।

4. लाठी से क्या-क्या लाभ होते हैं? [3]

उत्तर : लाठी संकट के समय वह हमारी सहायता करती है। गहरी नदी और नाले को पार करते समय मददगार साबित होती है। यदि कोई कुत्ता हमारे ऊपर झपटे तो लाठी से हम अपना बचाव कर सकते हैं। अगर हमें दुश्मन धमकाने की कोशिश करे तो लाठी के द्वारा हम अपना बचाव कर सकते हैं। लाठी गहराई मापने के काम आती है।

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।
आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली
दरवाजे-खिड़कियाँ खुलने लगी गली-गली
पाहुन ज्यों आये हों गाँव में शहर के।
पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाये
आँधी चली, धूल भागी घाघरा उठाये

कविता - मेघ आए

कवि - सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

1. शब्दार्थ लिखिए : [2]
   - बन ठन के - सज-धज के
   - बाँकी - चितवन
   - तिरछी - नजर
   - पाहुन - अतिथि

2. 'बाँकी चितवन उठा, नदी ठिठकी, घूँघट सरकाए।' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। [2]

   उत्तर : उपर्युक्त पंक्ति का भाव यह है कि मेघ के आने का प्रभाव सभी पर पड़ा है। नदी ठिठककर कर जब ऊपर देखने की चेष्टा करती है तो उसका घूँघट सरक जाता है और वह तिरछी नज़र से आए हुए आंगतुक को देखने लगती है।

3. मेघों के लिए 'बन-ठन के, सँवर के' आने की बात क्यों कही गई है? [3]

   उत्तर : कवि ने मेघों में सजीवता लाने के लिए बन ठन की बात की है। जब हम किसी के घर बहुत दिनों के बाद जाते हैं तो बन सँवरकर जाते हैं ठीक उसी प्रकार मेघ भी बहुत दिनों बाद आए हैं क्योंकि उन्हें बनने सँवरने में देर हो गई थी।

4. मेघ रूपी मेहमान के आने से वातावरण में क्या परिवर्तन हुए? [3]

   उत्तर : मेघ रूपी मेहमान के आने से हवा के तेज बहाव के कारण आँधी चलने लगती है जिससे पेड़ कभी झुक जाते हैं तो कभी उठ जाते हैं। दरवाजे खिड़कियाँ खुल जाती हैं। नदी बाँकी होकर बहने लगी। पीपल का वृक्ष भी झुकने लगता है, तालाब के पानी में उथल-पुथल होने लगती है, अंत में आसमान से वर्षा होने लगती है।

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

वह जन्मभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी।
ऊँचा खड़ा हिमालय आकाश चूमता है,
नीचे चरण तले झुक, नित सिंधु झूमता है।
गंगा यमुना त्रिवेणी नदियाँ लहर रही हैं,
जगमग छटा निराली पग-पग छहर रही है।
वह पुण्य भूमि मेरी, वह स्वर्ण भूमि मेरी।

कविता - वह जन्मभूमि मेरी
कवि - सोहनलाल द्विवेदी

1. कवि किस भूमि की बात कर रहा है? [2]

   उत्तर : कवि अपनी जन्मभूमि भारतमाता की बात कर रहा है।

2. त्रिवेणी नदियों के नाम लिखिए। [2]

   उत्तर : गंगा, यमुना और सरस्वती त्रिवेणी नदियाँ है।

3. कवि ने हिमालय के बारे में क्या कहा है? [3]

   उत्तर : कवि कहते है कि हिमालय इतना ऊँचा है मानो आसमान को चूम रहा है। वह हमारे भारत की रक्षा करता है।

4. शब्दार्थ लिखिए : [3]

   - मातृभूमि - जन्म भूमि
   - सिंधु - समुद्र
   - नित - प्रतिदिन
   - पुण्य भूमि - पवित्र भूमि
   - आकाश - गगन
   - छटा - शोभा

एकांकी संचय

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

अपराध और किसका है। सब मुझी को दोष देते हैं। मिसरानी कह रही थी बहू किसी की भी हो, पर अपने प्राण देकर उसने पति को बचा लिया।

एकांकी - संस्कार भावना

लेखक - विष्णु प्रभाकर

1. यहाँ पर किसके कौन-से अपराध की बात हो रही है? [2]

   उत्तर : यहाँ पर अतुल और अविनाश की माँ खुद के रुढ़िवादी विचारों तथा जात-पात के संस्कारों को मानने के अपराध की बात कर रही है।

2. बहू किसकी, कौन और किस जाति की थी? बहू ने किसे और किस बीमारी से प्राण देकर बचा लिया? [2]

   उत्तर : बहू अविनाश की पत्नी थी जो की विजातीय (बंगाली) महिला थी। बहू ने अपने पति अविनाश को हैजे की बीमारी से प्राण देकर बचा लिया। हैजे की बीमारी को छुआ-छूत की बीमारी माना जाता है।

3. माँ ने अविनाश की बहू को क्यों नहीं अपनाया? समझाकर लिखिए। [3]

   उत्तर : माँ एक हिन्दू वृद्धा है। वे हिन्दू समाज की रूढ़िवादी संस्कारों से ग्रस्त हैं। वे संस्कारों की दास हैं। एक मध्यम परिवार में अपने पुराने संस्कारों की रक्षा करना धर्म माना जाता है। माँ भी वहीं करना चाहती थी। उसका बड़ा बेटा अविनाश अपनी माँ की इच्छा के विरुद्ध एक बंगाली लड़की से प्रेम-विवाह कर आया परन्तु माँ ने अपनी रूढ़िवादी मानसिकता के कारण विजातीय बहू को नहीं अपनाया।

4. एकांकी का सारांश लिखिए। [3]

उत्तर : विष्णु प्रभाकर द्वारा रचित "संस्कार और भावना" एकांकी में भारतीय हिंदू परिवार के पुराने संस्कारों से जकड़ी हुई रूढ़िवादिता तथा आधुनिक परिवेश में पले बड़े बच्चों के बीच संघर्ष की चेतना को चित्रित किया गया है।

अविनाश ने एक विजातीय (बंगाली) कन्या से विवाह किया था। किसी ने इस विवाह का समर्थन नहीं किया। अविनाश की माँ ने इसका सबसे ज्यादा विरोध किया और उसको घर से निकाल दिया। माँ अपने छोटे बेटे अतुल और उसकी पत्नी उमा के साथ रहती है पर बड़े बेटे से अलग रहना उसके मन को कष्ट पहुँचाता है।

एक बार जब माँ को पता चला कि अविनाश को प्राणघातक हैजे की बीमारी हुई थी और बहू ने अपने पति अविनाश को प्राण देकर बचा लिया। अब वह खुद बीमार है परंतु अविनाश में उसे बचाने की ताकत नहीं है। जब माँ को अविनाश की पत्नी की बीमारी की सूचना मिलती है तब उसका हृदय मातृत्व की भावना से भर उठता है। उसे इस बात का आभास है कि यदि बहू को कुछ हो गया तो अविनाश नहीं बचेगा। तब पुत्र-प्रेम की मानवीय भावना का प्रबल प्रवाह रूढ़िग्रस्त प्राचीन संस्कारों के जर्जर होते बाँध को तोड़ देता है। माँ अपने बेटे और बहू को अपनाने का निश्चय करती है।

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

उनके पौरुष की परीक्षा का दिन आ पहुँचा है। महारावल बाप्पा का वंशज मैं लाखा प्रतिज्ञा करता हूँ कि जब तक बूँदी के दुर्ग में ससैन्य प्रवेश नहीं करूँगा, अन्न जल ग्रहण नहीं करूँगा।

एकांकी - मातृभूमि का मान

लेखक - हरिकृष्ण 'प्रेमी'

1. किसका वंशज क्या प्रतिज्ञा करता है? [2]

उत्तर : महारावल बाप्पा का वंशज महाराणा लाखा प्रतिज्ञा करते है कि 'जब तक बूँदी के दुर्ग में ससैन्य प्रवेश नहीं करूँगा, अन्न जल ग्रहण नहीं करूँगा।'

2. किसके पौरुष की परीक्षा का दिन आ गया? [2]

उत्तर : मेवाड़ के सैनिकों के लिये युद्ध-भूमि में वीरता दिखाने की परीक्षा का दिन आ गया।

3. महाराणा लाखा ने प्रतिज्ञा क्यों ली? [3]

उत्तर : मेवाड़ नरेश महाराणा लाखा ने सेनापति अभी सिंह से बूँदी के राव हेमू के पास यह संदेश भिजवाया कि बूँदी मेवाड़ की अधीनता स्वीकार करे ताकि राजपूतों की असंगठित शक्ति को संगठित करके एक सूत्र में बाँधा जा सके, परंतु राव ने यह कहकर प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया कि बूँदी महाराणाओं का आदर तो करता है, पर स्वतंत्र रहना चाहता है। हम शक्ति नहीं प्रेम का अनुशासन करना चाहते हैं। यह सुन कर राणा लाख प्रतिज्ञा करते हैं।

4. महाराणा लाखा जनसभा में क्यों नहीं जाना चाहते? [3]

उत्तर : मेवाड़ के शासक महाराणा लाखा को नीमरा के युद्ध के मैदान में बूँदी के राव हेमू से पराजित होकर भागना पड़ा, इसलिए अपने को धिक्कारते हैं, और आत्मग्लानि अनुभव करने के कारण जनसभा में भी नहीं जाना चाहते।

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

अब शराफत और इन्सानियत की दुहाई देते हो। कुछ देर पहले तो ...

एकांकी - बहू की विदा

लेखक - विनोद रस्तोगी

1. इस कथन की वक्ता का चरित्र चित्रण कीजिए। [2]

उत्तर : इस कथन की वक्ता राजेश्वरी है। यह जीवन लाल की पत्नी है। वह एक नेक दिल औरत है। धैर्यवान तथा ममता की मूर्ति है। वह अन्याय का विरोध करती है। वह अपने पति जीवन लाल की उपर्युक्त कथन द्वारा आँखें खोल देती है।

2. शराफत और इन्सानियत की दुहाई कौन दे रहा है? क्यों? [2]

उत्तर : जीवन लाल शराफत और इन्सानियत की दुहाई दे रहा है क्योंकि दहेज देने के बावजूद उसकी बेटी गौरी के ससुराल वालों उसे दहेज कम पड़ने की वजह से उसके भाई के साथ विदा न करके उसे अपमानित किया।

3. वक्ता ने श्रोता की किस बात के लिए आलोचना की? [3]

उत्तर : वक्ता राजेश्वरी ने अपने पति जीवन लाल की लोभी प्रवृत्ति और दोगले व्यवहार के लिए उसकी आलोचना की। क्योंकि दहेज देने के बावजूद उसकी बेटी गौरी के ससुराल वालों के उसे दहेज कम पड़ने की वजह से उसके भाई के साथ विदा न करके उसे अपमानित करने पर जीवन लाल जीवन लाल शराफत और इन्सानियत की दुहाई देते है। जबकि खुद अपनी बहू को दहेज के पाँच हजार कम पड़ने की वजह से उसके भाई के साथ विदा नहीं करते और अपमानित करते हैं।

4. वक्ता ने श्रोता की आँखे किस प्रकार खोली? [3]

उत्तर : दहेज देने के बावजूद उसकी बेटी गौरी के ससुराल वालों के उसे दहेज कम पड़ने की वजह से उसके भाई के साथ विदा न करके उसे अपमानित करने पर जीवन लाल जीवन लाल शराफत और इन्सानियत की दुहाई देते हैं। तब वक्ता राजेश्वरी ने अपने पति जीवन लाल की आँखें खोलने के लिए कहा अब तुम शराफत और इन्सानियत की दुहाई दे रहे हो जबकि खुद अपनी बहू को दहेज के पाँच हजार कम पड़ने की वजह से उसके भाई के साथ विदा नहीं करते और अपमानित कर रहे हो।

नया रास्ता

(सुषमा अग्रवाल)

Q.14 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

वह समझ नहीं पा रही थी कि हमारे समाज में स्त्री पुरुष में इतना भेद क्यों? यदि कोई लड़का अकेला रहता है तो समाज उस पर अंगुलियाँ नहीं उठाता, चाहे वह कितना ही अपराध क्यों न करता हो परंतु एक लड़की, चाहे वह कितना ही संयम शील जीवन क्यों न व्यतीत करती हो, फिर भी समाज उस पर दोषारोपण करता है।

1. किसकी बातें सुनकर वक्ता इतनी परेशान है? [2]

उत्तर : मीनू जहाँ रहती थी वहीं पर उनके पड़ोस में एक महिला रहती थी जिसे मीनू मौसी के नाम से संबोधित करती थी। यह पड़ोस वाली मौसी उसे एक दिन बस में मिल जाती है। वह एक अन्य महिला के साथ मीनू के अभी तक अविवाहित रहने की बात करती है और यह बातें सुनकर वह आहत हो जाती है।

2. समाज में स्त्री पुरुष में इतना भेद क्यों है? [2]

उत्तर : हमारे समाज में पहले से ही लड़की और लड़के में अंतर किया जाता रहा है। लड़का कितनी भी गलती करें उसे कभी कोई कुछ नहीं कहता परंतु यदि लड़की छोटी भी गलती करे तो पूरा समाज उस पर दोषारोपण करने लगता है।

3. लड़की के जीवन में इतनी कठिनाईयाँ क्यों आती है? [3]

उत्तर : बचपन से ही लड़की को लड़कों से कम समझा और आँका जाता है इसलिए जब कभी कोई लड़की लड़कों के साथ बराबरी या कुछ अलग करने की कोशिश करती है तो पूरा समाज उसके विरुद्ध खड़ा हो जाता है इसलिए लड़की के जीवन में इतनी कठिनाईयाँ आती है।

4. इन पक्तियों के भाव स्पष्ट कीजिए? [3]

उत्तर : इन पंक्तियों का भाव लड़का और लड़की में भेद से है। यहाँ पर कहने का तात्पर्य यह है कि इस भेद के कारण लड़की अपने आप को कम समझने लगती है। उसके छोटे से भी अपराध को बहुत बढ़ा चढ़ा कर पेश किया जाता है उसी जगह पर लड़का कितना भी अपराध क्यों न करे उसे कोई कुछ नहीं कहता है।

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

पत्र लिखने के बाद पिताजी को लगा की शायद उनसे कोई घोर अपराध हो गया है, उनकी मन:स्थिति विकल हो गई।

1. घर लौटने पर मायाराम का इंतजार कौन कर रहा था? वे मायाराम के पास क्यों आए थे? [2]

उत्तर : घर लौटने पर माया राम का इंतजार उनके ही शहर के के एक धनी व्यक्ति कर रहे थे। उनकी बेटी सरिता विवाह योग्य हो गई थी अत: वे मायाराम के पास अपनी बेटी सरिता का रिश्ता लेकर आए थे।

2. व्यवहार के बारे में माँ की क्या राय थी? [2]

उत्तर : अमित ने जब अपनी माँ से यह जानना चाहा कि क्या बड़े घर की बेटी उनके घर के वातावरण में मीनू की तरह घुल-मिल पाएँगी तो माँ ने जवाब दिया कि हम किसी के व्यवहार के बारे में तब तक कुछ नहीं बता सकते जब तक हम उनके साथ नहीं रहते। फिर चाहे लड़की छोटे घर की हो या बड़े घर की।

3. मीनू का रिश्ता ठुकराने के लिए क्या योजना बनाई गई? [3]

उत्तर : घर वाले अमित के लिए आए धनी सरिता का रिश्ता ठुकराना नहीं चाहते थे परंतु उनके सामने यह समस्या खड़ी हो गई कि मीनू का रिश्ता किस प्रकार ठुकराया जाय। तभी माताजी को एक युक्ति सूझी कि मीनू का रिश्ता यह कहकर ठुकराया जाय कि मीनू की अपेक्षा उन्हें उनकी छोटी बेटी आशा पसंद है। यदि वे शादी करना चाहते ही हैं तो आशा के साथ अमित की शादी करवाँ दें। अब यह तो सबको पता है कि बड़ी बेटी के होते कोई अपनी छोटी बेटी का विवाह पहले नहीं करेगा और अत: बिना ना कहे भी यह रिश्ता न होगा।

4. किसकी मन:स्थिति विकल और क्यों हो गई? [3]

उत्तर : अमित के पिता की मन:स्थिति विकल हो गई क्योंकि वे भी स्वयं एक बेटी के पिता थे और यह समझते थे कि बेटी का रिश्ता ठुकराया जाना क्या होता है। इसलिए मीनू के पिता को पत्र रिश्ता ठुकराने का पत्र भेजने के बाद उनकी मन:स्थिति विकल हो गई।

Q.16. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

मीनू के मुख से अपनी प्रशंसा सुनकर नीलिमा दिल-दिल-में प्रसन्न हो उठी। परंतु उसे मीनू के दिल में छिपी पीड़ा का आभास था।

1. प्रस्तुत अवतरण में नीलिमा और मीनू कौन हैं उनका परिचय दें। [2]

   उत्तर : प्रस्तुत अवतरण में नीलिमा और मीनू दो सहेलियाँ हैं।

2. मीनू प्रसन्न क्यों थी? [2]

   उत्तर : मीनू प्रसन्न इसलिए थी क्योंकि बहुत कोशिशों के बाद मेरठ में रहने वाले लड़के को उसका फोटो पसंद आ गया था।

3. कुछ सोचकर मीनू उदास क्यों हो गई? [3]

   उत्तर : मीनू पहले यह सोचकर प्रसन्न थी की उसकी फोटो को लड़के वालों ने पसंद कर लिया है लेकिन उसे कुछ पुरानी बातें याद आ जाती इससे पहले कई लड़कों ने उसे सांवली बताकर उसका रिश्ता ठुकराया है और यही सब सोचकर वह उदास हो जाती है।

4. किसे किसकी पीड़ा का अहसास था? [3]

   उत्तर : नीलिमा को अपनी सहेली मीनू की पीड़ा का अहसास था। नीलिमा यह जानती थी कि उसकी मित्र अपने रंग को लेकर हीन भावना से ग्रसित है। इसलिए जब वह अपनी फोटो पसंद आ जाने की खबर सुनाती है तो बड़ी प्रसन्न रहती है परंतु कुछ ही क्षण में उसकी ख़ुशी उन पुराने ठुकराए रिश्तों को याद कर काफूर भी हो जाती है। और यही बात से नीलिमा बड़ी अच्छी तरह से वाकिफ थी।